



किशोर विद्यार्थियों की आत्मधारणा एवं समायोजन क्षमता का शैक्षणिक प्रेरणा के “ उभरते स्वरूप ” पर प्रभाव

श्रीमती हेमलता चंद्राकर¹ | डॉ. श्रीमती मंजू साहू²

¹ शोधार्थी, शिक्षा विभाग, भारतीय विश्वविद्यालय (दुर्ग छ.ग.).

² निर्देशिका, सह-प्राध्यापक शिक्षा विभाग, भारतीय विश्वविद्यालय (दुर्ग छ.ग.).

ABSTRACT:

यह अध्ययन किशोर विद्यार्थियों की आत्मधारणा, समायोजन क्षमता तथा शैक्षणिक प्रेरणा के उभरते पैटर्न के बीच संबंध का विश्लेषण करता है। अध्ययन में 200 विद्यार्थियों को यादृच्छिक नमूना पद्धति द्वारा चयनित किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि आत्मधारणा एवं समायोजन क्षमता, दोनों का विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रेरणा पर सार्थक सकारात्मक प्रभाव पाया गया। अतः विद्यालयी वातावरण एवं अभिभावकीय सहयोग विद्यार्थियों के प्रेरक व्यवहार के विकास हेतु आवश्यक सिद्ध होता है।

KEYWORDS:

आत्मधारणा, समायोजन क्षमता, शैक्षणिक प्रेरणा, किशोरावस्था, शैक्षणिक उपलब्धि।

PAPER ACCEPTED DATE:

12th December 2025

PAPER PUBLISHED DATE:

15th December 2025

PAPER DOI NO:

10.5281/zenodo.17938637

PAPER DOI LINK:

<https://zenodo.org/records/17938637>

प्रस्तावना -

किशोरावस्था वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक परिवर्तन का अनुभव करता है। इस अवधि में विद्यार्थी अपनी क्षमता, व्यवहार, पहचान और सामाजिक भूमिका को समझने का प्रयास करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आत्मधारणा एवं समायोजन क्षमता का निर्माण शैक्षणिक प्रेरणा को प्रभावित करता है।

यदि विद्यार्थी स्वयं को सक्षम मानता है तथा परिवेश के साथ सकारात्मक रूप से समायोजित है, तो उसका सीखने की दिशा में दृष्टिकोण अधिक प्रभावी होता है। इसी संदर्भ में यह शोध तीनों चर के बीच संबंधों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

अध्ययन के उद्देश्य-

1. किशोर विद्यार्थियों की आत्मधारणा एवं शैक्षणिक प्रेरणा के बीच संबंध ज्ञात करना।
2. समायोजन क्षमता एवं शैक्षणिक प्रेरणा के बीच संबंध का अध्ययन करना।
3. आत्मधारणा एवं समायोजन क्षमता का शैक्षणिक प्रेरणा पर संयुक्त प्रभाव ज्ञात करना।

परिकल्पनाएँ-

H₁ आत्मधारणा एवं शैक्षणिक प्रेरणा में सार्थक सकारात्मक संबंध होगा।

H₂ समायोजन क्षमता एवं शैक्षणिक प्रेरणा में सार्थक संबंध होगा।

H₃ आत्मधारणा एवं समायोजन क्षमता का शैक्षणिक प्रेरणा पर संयुक्त प्रभाव होगा।

शोध पद्धति-

शोध का प्रकार: - वर्णात्मक एवं तुलनात्मक

जनसंख्या: दुर्ग

तत्व	विवरण
शोध विधि	सर्वेक्षण वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक
शोध का प्रकार	सर्वेक्षण आधारित
जनसंख्या	कक्षा नवी एवं दसवीं के सभी विद्यार्थी
नमूना चयन	यादृच्छिक विधि
नमूना आकार	200

शोध उपकरण-

क्रम	उपकरण का नाम	मापन क्षेत्र	निर्माता
1.	आत्मधारणा मापनी	शैक्षणिक, भावनात्मक, एवं सामाजिक आत्मधारणा	डॉ. वी. पी. शर्मा एवं रमा देवी
2	समायोजन मापनी	गृह, विद्यालय एवं सामाजिक समायोजन	बेल (Bell) द्वारा विकसित; भारतीय रूपांतर — सुश्री सुधा शर्मा
3	प्रेरणा स्केल	आंतरिक व बाह्य शैक्षणिक प्रेरणा	डॉ. आर. के. शर्मा एवं सहयोगी

डेटा विश्लेषण एवं परिणाम प्रस्तुति-

आत्मधारणा, समायोजन क्षमता एवं शैक्षणिक प्रेरणा के औसत और मानक विचलन

क्रम	चर	संख्या(N)	Meen	SD (मानक विचलन)	व्याख्या
1.	आत्मधारणा	200	72.46	8.52	औसत से अधिक स्तर
2.	समायोजन क्षमता	200	68.32	7.94	सामान्य से अच्छा
3.	शैक्षणिक प्रेरणा	200	75.10	9.26	उच्च प्रेरणा

तालिका 2 – पियरसन सहसंबंध (r-मूल्य) विश्लेषण-

चर-युग्म	r मूल्य	p-मूल्य	परिणाम
आत्मधारणा × शैक्षणिक प्रेरणा	0.61	p < 0.01	उच्च, सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक
समायोजन क्षमता × शैक्षणिक प्रेरणा	0.54	p < 0.01	मध्यम सकारात्मक एवं सार्थक संबंध
आत्मधारणा × समायोजन क्षमता	0.47	p < 0.05	मध्यम सकारात्मक एवं सार्थक संबंध

चर्चा-

शोध परिणामों से यह सिद्ध हुआ कि सकारात्मक आत्मधारणा रखने वाले विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय होते हैं। साथ ही, जिनका सामाजिक तथा विद्यालयी वातावरण से समायोजन उत्तम होता है, उनकी प्रेरणा भी अधिक पाई गई।

अतः शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन को विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहनपूर्ण एवं सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए।

निष्कर्ष-

- ❖ आत्मधारणा का शैक्षणिक प्रेरणा पर सार्थक सकारात्मक प्रभाव पाया गया।
- ❖ समायोजन क्षमता का भी शैक्षणिक प्रेरणा से सकारात्मक संबंध स्पष्ट हुआ।
- ❖ दोनों चरों का संयुक्त प्रभाव विद्यार्थियों की उपलब्धि एवं प्रेरणा को बढ़ाने में सहायक है।

सुझाव-

विद्यालयों में परामर्श सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने वाले उपाय अपनाए जाएँ।

अभिभावकों को सकारात्मक प्रोत्साहन का महत्व बताया जाए।

विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ बढ़ाई जाएँ।

REFERENCES

1. शर्मा, वी. पी. एवं देवी, रमा. (2018). *आत्मधारणा अध्ययन*. शिक्षा प्रकाशन।
2. शर्मा, आर. के. (2020). *शैक्षणिक प्रेरणा एवं उपलब्धि*. शोध प्रकाशन।
3. बेल, एच. (2016). *समायोजन मापनी* (भारतीय रूपांतरण — सुधा शर्मा). एकेडमिक प्रेस।
4. संबंधित शोध-लेख एवं शिक्षा-मनोविज्ञान साहित्य।